पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

आखिर क्यों है 'समुक' की इतनी चर्चा?

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 74 ■ मंगलवार 26 मई 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

उल्हासनगर-5 फायरिंग मामला

# चौथा आरोपी सागर पाटील गिरफ्तार

- गुरुवार को हुई थी दो भाईयों की हत्या
- हत्या में अब तक 4 आरोपी गिरफ्तार
- हत्या के बाद से फरार था सागर

**उल्हासनगर.** पांच दिन पहले उल्हासनगर 5 के कैलाश कॉलोनी इलाके में हुई फायरिंग में दो भाई अनिल हरकेश चौहान और अमन हरकेश चौहान की हत्या कर दी गई थी और अर्जुन सुरजाबली चौहान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस मामले में तीन आरोपी शेखर बिराजदार, अजीज शेख और अजय राव को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार शाम को अनिल और अमन की मां ने कहा कि मेरे दो बच्चों की हत्या कर दी गई है, हत्यारा सागर पाटिल फरार है और पुलिस उसे छोड़ने के लिए 25 लाख रुपये मांग रही है, ऐसा आरोप लगाया था। इस बीच, इस मामले में अब हिललाइन पुलिस ने आखिरकार सागर पाटिल को गिरफ्तार कर लिया है। उसे कोर्ट में पेश किया गया और 28 तारीख तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

# बारवी डैम में जल सबसे निचले स्तर पर

- बारवी डैम में पानी 32% रह गया
- चिखलोली डैम में 10% है पानी
- अंबरनाथ, उल्हासनगर एवं ठाणे जिला में जलसंकट

**अंबरनाथ.** ठणे जिले को जलापूर्ति करने वाले बारवी डैम में 32.31% पानी रह गया है, तो अंबरनाथ पूर्व में 50 हजार लोगों को जलापूर्ति करने वाले चिखलोली डैम में केवल 10% पानी बचा है.

विदित हो कि गत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष बारवी डैम में पानी कम है. ठाणे जिले में हफ्ते में एक दिन पानी की कटौती की घोषणा जल्द ही की जाएगी. भीषण गरमी के कारण पानी का इस्तेमाल ज्यादा होने के कारण पानी की कमी हो गई है. जुलाई महिने के आखिर तक लोगों को पानी मिले इसका नियोजन किया जा रहा है. अगर जून महिने में देरी से बरसात हुई तो पानी की कटौती ज्यादा दिनों तक की जा सकती है. शहरवासियों को जलसंकट का सामना करना पड़ेगा. वैसे भी अंबरनाथ शहर में लोगों को दो-दो दिन तक पानी नहीं मिल रहा है. उसका कारण ये बताया जा रहा है कि मजीप्रा का नियोजन ठीक नहीं होने से एवं पाइप लाइनों में 30 प्रतिशत तक पानी की लीकेज होने से ये पानी का संकट बढ़ गया है, जो कि बहुत ही चिंताजनक है. बारवी डैम के अभियंता सुनिल वल्वी ने पत्रकारों को जानकारी दी है कि 25 मई की सुबह 7 बजे तक डैम में 32.31% पानी का स्टोरेज 109.51 MCM रह गया है. गत वर्ष इसी दिन पानी को स्टोरेज 110.70MCM था. आपको बता दें कि बारवी डैम से अंबरनाथ, बदलापुर, उल्हासनगर महापालिका, कल्याण डोंबिवली महापालिका, मीरा भायंदर, नवी मुंबई, भिवंडी महापालिका को जलापूर्ति की जाती है. बारवी डैम अंबरनाथ तालुका के जांभुल गांव के पास स्थित है.

### पानी की आपूर्ति करना एक बड़ी चुनौती

गर्मी के बढ़ते तेवर, बढ़ती आबादी और पानी की बढ़ती खपत की वजह से बारवी डैम में पानी का स्टोरेज तेज़ी से कम हो रहा है। वैसे तो हर साल मई के आखिर तक डैम में पानी का लेवल कम हो जाता है, लेकिन वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने बताया कि इस साल हालात ज़्यादा चिंताजनक हैं। ठाणे ज़िले की प्यास बुझाने वाले बदलापुर के बारवी डैम की कुल स्टोरेज कैपेसिटी तेज़ी से सूख रही है। 340 .48 मिलियन क्यूबिक मीटर (MCM) है। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि अभी डैम में करीब 112 MCM पानी ही बचा है। बारवी डैम को ठाणे जिले का मुख्य पानी का सोर्स माना जाता है। यह डैम हर दिन ठाणे जिले के कई शहरों को लाखों लीटर पानी सप्लाई करता है। हालांकि, अभी कुओं और बोरवेल का लेवल भी कम होने लगा है। मौजूदा पानी के भंडार को देखते हुए, ऐसा लगता है कि अगले कुछ हफ्तों में पानी का कम इस्तेमाल करने का समय आ जाएगा। इस बीच, डैम में पानी का भंडार कम होने की वजह से प्रशासन ने लोगों से पानी बचाने की अपील की है। कहा गया है कि पानी का बेवजह इस्तेमाल, गाड़ी धोने, टॉयलेट फ्लश करने, लीक को तुरंत ठीक करने और पीने के पानी की बर्बादी से बचने की ज़रूरत है।

मानसून का मौसम शुरू होने से पहले ही

# गौतमवाड़ी रोड पानी में डूबा

**उल्हासनगर.** मानसून का मौसम शुरू होने से पहले ही उल्हासनगर शहर के कैंप नंबर 3 में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अभ्यासिका के पीछे गौतमवाड़ी रोड पानी में डूब गया है, जिससे लोगों में गुस्सा है।

गौतमवाड़ी शहर के कैंप नंबर 3 इलाके में उल्हासनगर महानगरपालिका के डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अभ्यासिका के पीछे का इलाका है। उस इलाके में बड़ी आबादी है और उस इलाके के नालों की हालत बहुत खराब है। उस इलाके के कुछ नाले भी जाम हैं। इस वजह से उस इलाके का सीवेज नालों से न निकलकर सीधे सड़क पर आ जाता है। जाम नालों का सीवेज सड़क पर बहने से वह सड़क झील का रूप ले लेती है। इसके अलावा उस सड़क पर बड़ी मात्रा में गाड़ियों का आना-जाना लगा रहता है। ड्राइवरों को सड़क पर जमा पानी से होकर अपनी गाड़ियां निकालनी पड़ती हैं। नगर निगम हर साल नालों की सफाई और सड़क के काम पर करोड़ों रुपये खर्च करता है। लेकिन गौतमवाड़ी इलाके में सड़क की हालत वैसी ही है जैसी पहले थी। उस इलाके में सड़क की हालत खराब होने और नालियां भी जाम होने के बावजूद नगर निगम इसे नज़रअंदाज़ कर रहा है। साथ ही, इलाके के लोग गुस्सा भी दिखा रहे हैं क्योंकि लोकल कॉर्पोरेटर भी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। अगर इस इलाके की नालियों की सफाई समय पर नहीं हुई तो मानसून में उस इलाके में बाढ़ आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

# 5 साल की बच्ची पर कुत्तों ने हमला किया

**बदलापुर.** कासगांव ग्राम पंचायत इलाके में एक ऐसी घटना सामने आई है जहां एक छोटी बच्ची कुत्तों के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गई। इससे पहले तीन-चार बार आवारा कुत्तों ने गांव में गांववालों पर हमला करने की कोशिश की थी। हालांकि, गांववालों ने बताया कि अगली घटना टल गई क्योंकि दूसरे गांववाले मदद के लिए दौड़ पड़े।

अंबरनाथ तालुका के कासगांव में रहने वाली पांच साल की बच्ची ओवी नरेश राणे पर दो दिन पहले आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था। जब ओवी अपने घर के बाहर खेल रही थी, तो चार-पांच आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। बच्ची की चीखें सुनकर गांववाले उसकी मदद के लिए दौड़े और कुत्तों को भगाया। इसके बाद ओवी को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इलाज के बाद ओवी की हालत स्थिर हो गई है।

# मनपा ने प्री-मानसून तैयारियां तेज कीं

- आयुक्त ने अलग-अलग डिपार्टमेंट को तैयार रहने का दिया आदेश

**उल्हासनगर.** हर साल मानसून के दौरान होने वाली बाढ़, खतरनाक इमारतों, महामारी और इमरजेंसी को देखते हुए मनपा प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। संभावित साइक्लोन, भारी बारिश और नागरिकों की सुरक्षा को देखते हुए कमिश्नर मनीषा आव्हाले ने अधिकारियों की एक अर्जेंट मीटिंग की और अलग-अलग डिपार्टमेंट को तैयार रहने के साफ निर्देश दिए। प्रशासन ने प्री-मानसून तैयारियां तेज कर दी हैं क्योंकि कमिश्नर ने मीटिंग में चेतावनी दी थी कि इमरजेंसी स्थितियों में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उल्हासनगर मनपा मुख्यालय में कमिश्नर मनीषा आव्हाले के ऑफिस में प्री-मानसून तैयारियों और डिजास्टर मैनेजमेंट को लेकर एक जरूरी मीटिंग हुई। बैठक में डिप्टी कमिश्नर विशाखा मोटघरे, डॉ. दीपाली चौगुले, असिस्टेंट कमिश्नर गणेश शिंपी, विशाल कदम, पब्लिक हेल्थ ऑफिसर मनीष हिवारे, डिजास्टर मैनेजमेंट ऑफिसर यशवंत पाशा, फायर डिपार्टमेंट, पुलिस अधिकारी और अलग-अलग डिपार्टमेंट के अधिकारी खुद और वीसी के ज़रिए मौजूद थे।

इस मौके पर नाली सफाई, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, पब्लिक सैनिटेशन, खतरनाक इमारतों की जांच, सड़क और ड्रेनेज रिपेयर, बाढ़ प्लानिंग, महामारी के उपाय, दवाइयों का स्टॉक, आपदा पीड़ितों के लिए अस्थाई रहने की व्यवस्था और खोज और बचाव के सामान पर चर्चा हुई।

मानसून के मौसम में, नागरिकों की सुरक्षा के लिए मनपा प्रशासन पूरी तरह तैयार है और बाढ़, खतरनाक इमारतों, महामारी और इमरजेंसी हालात से निपटने के लिए सभी डिपार्टमेंट को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। चक्रवात या भारी बारिश के खतरे को देखते हुए, सभी डिपार्टमेंट को मिलकर नागरिकों की समस्याओं का तुरंत हल निकालना चाहिए और इमरजेंसी की हालत में नागरिक तुरंत मनपा से संपर्क करें, ऐसी अपील कमिश्नर आव्हाले ने की है।

# नाले में बैठकर सफाई कर्मचारी कर रहे नालों की सफाई

**उल्हासनगर.** मानसून का मौसम शुरू होने में बस कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में उल्हासनगर मनपा ने JCB मशीनों से बड़े नालों की सफाई शुरू कर दी है। शहर में कई छोटे नाले भी हैं। हर साल कुछ वार्डों में नालों का गंदा पानी लोगों के घरों में घुस जाता है। इसके अलावा, जो नाले पूरी तरह से साफ नहीं होते, वे मानसून के मौसम में इलाके के लोगों के लिए खतरनाक हो जाते हैं। मानसून का मौसम शुरू होने से पहले, मुकादम सफाई कर्मचारियों की मदद से हर वार्ड में नालों की सफाई करते हैं।

इस नाले की सफाई के लिए उन्हें कुछ दिहाड़ी पर काम करने वाले कर्मचारियों की ज़रूरत होती है। लेकिन परमानेंट सफाई कर्मचारी भी उस तरह से काम नहीं कर सकते जैसे ये दिहाड़ी पर काम करने वाले कर्मचारी नालों की सफाई करते हैं। हाल ही में उल्हासनगर शहर के सुभाष टेकड़ी इलाके में नाले की सफाई के काम में ऐसा ही देखने को मिला।

उल्हासनगर शहर के सुभाष टेकड़ी, कैंप नंबर 4 इलाके में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर चौक के पास नायडू के घर के पास एक बड़ा बहता हुआ नाला है। हर साल होने वाली भारी बारिश की वजह से यह नाला बहुत खराब हो गया है। नाले के किनारे भी टूटे हुए हैं। मानसून के दौरान, इस नाले से बहने वाला गंदा पानी उस इलाके के लोगों के घरों के लिए खतरा बन जाता है। कई इलाकों से गंदा पानी इस नाले में बहता है। पिछले कई सालों से इस नाले की मरम्मत नहीं हुई है। लेकिन मानसून का मौसम शुरू होने से पहले इस नाले की सफाई कर दी जाती है।

हाल ही में, सुभाष टेकड़ी में सफाई विभाग ने अशोक वन इलाके में इस नाले को पूरी तरह से साफ करने के लिए दिहाड़ी मजदूरों को काम पर रखा था। उस समय, दिहाड़ी पर काम करने वाले सफाई कर्मचारी धूप के बीच आधे कपड़ों में नाले में उतर गए और सफाई करने लगे। इस नाले में बड़े-बड़े पत्थर फंसने की वजह से नाले का बहाव ठीक नहीं था। इसलिए, दिहाड़ी पर काम करने वाले सफाई कर्मचारियों ने असल में नाले में बैठकर नाले से गंदगी और बड़े-बड़े पत्थर निकाले। नाले का किनारा टूटा होने की वजह से, हर साल मानसून के दौरान यह इलाका झील जैसा दिखता है।

इसके अलावा, जब सड़क पानी में डूब जाती है, तो उस इलाके के लोगों को घुटनों के बल पानी से बाहर निकलना पड़ता है। असल में, मानसून का मौसम शुरू होने से पहले इन नालों की मरम्मत होनी चाहिए थी। लेकिन नगर पालिका को तो नाले की यह खराब हालत दिखती ही नहीं, बल्कि वहां के चुने हुए पार्षदों को भी यह नहीं दिखता, और इसी वजह से लोगों में गुस्सा है।

# चरित्र पर संदेह के चलते पत्नी की हत्या

- पत्नी के सर पर टीवी तोड़ दिया और गमले से किया वार
- बनेल इलाके में एक चौंकाने वाली घटना
- विवाहित महिला की मौके पर ही मौत

**कल्याण.** कल्याण तालुका पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले बनेल में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पति ने अपनी पत्नी को बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला। सिर पर टीवी तोड़ने के बाद उसने उसके सिर पर गमले से वार किया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

मिली जानकारी के मुताबिक, सतीश कालूराम वाघे उर्फ गुड्डू (उम्र 21) को अपनी पत्नी सारिका उर्फ रुक्सार के चरित्र पर शक था। पता चला है कि इसी शक की वजह से दोनों के बीच अक्सर बहस होती थी। शनिवार को हुई बहस हिंसक घटना में बदल गई। गुस्से में सतीश ने घर में रखा टीवी अपनी पत्नी के सिर पर पटक दिया। इसके बाद भी उसका गुस्सा शांत नहीं हुआ तो उसने उसके सिर पर गमले से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इस हमले में सारिका उर्फ रुक्सार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर कल्याण तालुका पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बॉडी को कब्जे में लेकर पंचनामा किया। इस घटना के बाद इलाके के लोगों में बहुत गुस्सा है और इलाके में डर का माहौल बन गया है। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

## आधारवाड़ी जेल में सीने में दर्द से कैदी की मौत

**कल्याण.** कल्याण की आधारवाड़ी सेंट्रल जेल में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 50 साल के कच्चे कैदी की सीने में दर्द और चक्कर आने से अचानक मौत हो गई। मरने वाले कैदी का नाम अजय आनंदजी कल्हण उर्फ हेलम रवींद्र कपाड़िया (50) बताया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ दर्ज अपराधों के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी।

यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7.40 बजे हुई। जेल में ड्यूटी पर तैनात एक कांस्टेबल के हवाले से अधिकारी ने बताया कि अजय कपाड़िया को अचानक सीने में तेज दर्द होने लगा और चक्कर आने लगे। इस वजह से वह अचानक अपनी बैरक में जमीन पर गिर पड़ा। घटना का पता चलते ही जेल प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उसे तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे अस्पताल लाने से पहले ही मृत घोषित कर दिया।

खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया। कैदी की मौत का सही कारण अभी साफ नहीं है।

# दो भाई-बहनों की एविएशन फील्ड में 'उड़ान'

**उल्हासनगर.** उल्हासनगर के दो भाई-बहनों की प्रेरणा देने वाली कहानी आजकल शहर में तारीफ का विषय बन रही है। जिन्होंने अपने पिता की मौत के बाद बच्चों की पढ़ाई के लिए आई मुश्किलों का सामना किया और उस संघर्ष को एविएशन जैसे बहुत टेक्निकल फील्ड में करियर बनाकर सफलता के पंख लगाए. पक्के इरादे, कड़ी मेहनत और अपनी माँ की कोशिशों के दम पर, विशुद्धि और सम्यक सोनवणे ने 'आसमान छूने की कोशिश' करके एविएशन फील्ड में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने कड़ी मेहनत के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है।

सुभाष टेकड़ी, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर चौक, कंसाई रोड इलाके में रहने वाले भाई-बहन विशुद्धि विकास सोनवणे और सम्यक विकास सोनवणे ने एविएशन इंजीनियरिंग के फील्ड में शानदार सफलता हासिल की है।

कोरोना काल में उनके पिता

विकास सोनवणे की अचानक मौत के बाद पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उस समय विशुद्धि 12वीं क्लास में और सम्यक 10वीं क्लास में पढ़ रहे थे। हालांकि, मां सुनीता सोनवणे ने हालात का डटकर सामना किया और अपने बच्चों की पढ़ाई में कोई समझौता नहीं होने दिया। पैसे की तंगी, जिम्मेदारियों और अकेलेपन को पार करते हुए उन्होंने सलाम बालक संस्था की मदद से खुद को मजबूत बनाया और अपने बच्चों के सपनों को ताकत दी। विशुद्धि ने एविएशन इंजीनियरिंग पूरी की और एयरवर्क्स कंपनी में जूनियर टेक्नीशियन की नौकरी कर ली, जबकि सम्यक टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स में शामिल हो गए हैं।

# ठाणे के ग्रामीण इलाकों में जलसंकट से राहत!

- 38 गांवों में 40 टैंकरों से अबाधित पानी की सप्लाई

**ठाणे.** जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, ठाणे के ग्रामीण इलाकों के 38 गांवों और 134 पानी की कमी वाले वाड़ों में 40 प्राइवेट टैंकरों से रेगुलर पानी की सप्लाई जारी रखी गई है, जिससे 57 हजार से ज़्यादा लोगों को पानी की राहत मिली है, ऐसा ज़िला प्रशासन ने दावा किया है। खास बात यह है कि भले ही शहापुर तालुका में पानी की सबसे ज़्यादा कमी है, लेकिन उन्होंने यह भी दावा किया है कि बहुत ध्यान से प्लानिंग करके हालात को कंट्रोल में रखा गया है।

ज़िला प्रशासन ने दावा किया है कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए ठाणे ज़िले में पानी की कमी कंट्रोल में है। प्रशासन ने साफ किया है कि ज़िला परिषद के ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की प्लानिंग की वजह से अभी 38 कमी वाले गांवों और 134 गांवों के लोगों को रेगुलर टैंकरों से पानी की सप्लाई दी जा रही है। ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की 22 मई, 2026 तक की वीकली रिपोर्ट के मुताबिक, जिले के 57 हज़ार 8 लोगों को पीने का पानी देने के लिए 40 प्राइवेट टैंकर चालू किए गए हैं।

- तीनों तालुका में कोई कमी नहीं

गर्मियों की शुरुआत में की गई तैयारियों और सही मैनेजमेंट की वजह से, जिले के अंबरनाथ, भिवंडी और कल्याण तालुका में हालात पूरी तरह कंट्रोल में हैं, और वहां कोई गंभीर कमी नहीं आई है। क्योंकि इन तीनों तालुका में अभी कोई भी गांव या वाड़ी पानी की कमी से प्रभावित नहीं है, इसलिए टैंकरों की कोई ज़रूरत नहीं है। प्रशासन ने दावा किया है कि उसने ज़रूरत के हिसाब से प्राइवेट टैंकर लेकर पूरे जिले में पानी की कमी वाले हर घर तक पानी पहुंचाने के लिए पूरे इंतज़ाम किए हैं।

### 52,092 लोगों के लिए 37 प्राइवेट टैंकर लगाए गए

पानी की कमी को दूर करने के लिए सिस्टम चौबीसों घंटे काम कर रहा है, और दूर-दराज के इलाकों में समय पर पानी पहुंचाया जा रहा है। एडमिनिस्ट्रेशन ने दावा किया है कि शाहपुर तालुका में इस साल खास प्लानिंग की गई है, जो हर साल पानी की कमी से सबसे ज़्यादा प्रभावित होता है। शाहपुर के 33 गांवों और 124 वाडियों में 52,092 लोगों के लिए 37 प्राइवेट टैंकर लगाए गए हैं। एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा है कि टैंकरों के रेगुलर चक्कर लगाने से वाडियों में लोगों की पानी की ज़रूरतें पूरी हो गई हैं। एडमिनिस्ट्रेशन ने यह भी बताया कि मुरबाद तालुका के 5 गांवों और 10 वाडियों में 4,916 लोगों के लिए 3 प्राइवेट टैंकरों से पानी की सप्लाई शुरू की जा रही है।

# अंबरनाथ में पे एंड पार्क ठेकेदार की मनमानी

- नपा ठेकेदार द्वारा 400 मासिक पास का 700 रुपए वसूली
- मुख्याधिकारी से की गई शिकायत

फाइल फोटो

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ पूर्व के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर अधूरे निर्माण किए गए अंबरनाथ नगर परिषद के बंदीस्त नाट्यगृह में गत कई वर्षों से ठेकेदार पे एंड पार्क वाहन स्थल पर चला रहा है. जिसकी मनमानी बहुत ज्यादा बढ़ जाने से वाहन चालक काफी परेशान हैं. नागरिकों से आर्थिक लूट ठेकेदार कर रहा है. दो पहिया वाहन के लिए 400 रुपए मासिक पास की दर निश्चित होते हुए भी ठेकेदार लोगों से 700 रुपए वसूल कर रहा है. अधिकृत दर पत्रिका पर छेड़छाड़ करके 400 रु. को 700 रुपए करके ज्यादा वसूली की जा रही है. इस संदर्भ में आनलाइन पेमेंट सबूत और वीडियो शिकायतकर्ता ने प्रशासन को पेश किए हैं. इस पे एंड पार्क पर असुविधाएं भी बहुत हैं. परिसर में अस्वच्छता एवं गंदगी, कचरे का साम्राज्य है. सीसीटीवी कैमरे बंद हैं. संबंधित ठेकेदार का ठेका रद्द करके उसको काली यादी में डालने की मांग समाजसेवक प्रशांत उतेकर ने की है. उन्होंने मुख्याधिकारी एवं शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत भी की है. इस संदर्भ में अंबरनाथ नगर परिषद बाजार विभाग के अधिकारी राज मोहम्मद शेख ने बताया कि संबंधित ठेकेदार को प्रशासन की तरह से नोटिस दी गई है.

नगर परिषद द्वारा दिए गए दर ही लागू किए जाएं. ठेकेदार से ऐसा कहा गया है. यहां पर काम कर रहे कर्मचारी, नागरिकों के साथ बेजवाबदारी से एवं गलतबयानी से उत्तर देते हैं. नगर परिषद ने इस पे एंड पार्क को अपन कब्ज में लेकर चलाए, ऐसी मांग वाहन चालक कर रहे हैं.

**जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि**

उल्हास विकास संपादकीय

## मातृत्व खेल क्षमताओं में बाधक नहीं

खेल की दुनिया में योग्यता-अयोग्यता की कसौटियां कई बार क्षमताओं को बाधित करने या फिर नजरअंदाज करने की हद तक चली जाती हैं। जबकि यह संभव है कि किसी खिलाड़ी को मैदान से बाहर करने के लिए जिन नियमों का हवाला जाता है, उनका कोई खास मतलब नहीं होता है। बस कुछ पूर्वाग्रहों की वजह से नियमों को बहाना बना लिया जाता है और एक सक्षम खिलाड़ी से उसके अवसर छीन लिए जाते हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने इसी प्रवृत्ति पर टिप्पणी करते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ को फटकार लगाई और कहा कि हमारे देश में मां बनना कोई गुनाह नहीं है और कुश्ती महासंघ को बदले की भावना से काम नहीं करना चाहिए। अदालत ने महिला कुश्ती खिलाड़ी विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के लिए होने वाली चयन प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी है।

भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट मां बनने के बाद अब फिर से कुश्ती के मैदान में उतरना चाहती हैं, लेकिन भारतीय कुश्ती महासंघ ने डोपिंग-रोधी नियमों का हवाला देते हुए विनेश फोगाट को 26 जून तक घरेलू प्रतियोगिताओं में खेलने के 'अयोग्य' घोषित कर दिया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने यह सवाल उठाया कि जब विनेश फोगाट देश की एक स्थापित और शीर्ष स्तर की पहलवान रही हैं, तो नियमों में अचानक बदलाव करके उन्हें खेलने से दूर रखने की कोशिश क्यों की जा रही है!

गौरतलब है कि विनेश फोगाट को भारत की सबसे कामयाब महिला पहलवानों में से एक माना जाता है। 2024 के पेरिस ओलंपिक में एक तकनीकी वजह से उनके करिअर में चुनौती सामने आई थी, लेकिन उससे पार निकल कर उन्होंने आगे का रास्ता देखा। कुछ समय पहले वे मां बनीं और मातृत्व अवकाश की वजह से वे थोड़े वक्त के लिए खेल से दूर रहीं। मगर यह उनके मैदान से बाहर होने का कारण नहीं हो सकता।

दुनिया भर में ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जिसमें महिला खिलाड़ियों ने मां बनने के बाद भी खेल के मैदान में बेहतरीन प्रदर्शन किया और उपलब्धियां हासिल कीं। यों यह समय-समय पर साबित होता रहा है कि मातृत्व खेल क्षमताओं में बाधक नहीं है। बेहतर हो कि पूर्वाग्रहों या बदले की भावना के बजाय किसी खिलाड़ी की योग्यता का आकलन खेल में उसके सक्षम होने के आधार पर हो।

**विमर्श**

# नेपाल की विदेश नीति में बड़े बदलाव

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह किसी न किसी मामले के चलते अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। नेपाल में जेन-जी आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा बनने से लेकर चुनावों में शानदार प्रदर्शन तक उनका नाम छाया रहा। युवाओं ने उन पर भारी भरोसा जताया और उनकी विजय से ऐसा माना गया कि वे नेपाली राजनीति के पुराने एवं कमजोर किले को तोड़कर एक नवयुगीन भव्य इमारत का निर्माण करेंगे, जिसके स्तंभ भ्रष्टाचार और विदेशी प्रभाव से अलग पारदर्शिता और संप्रभुता से ओतप्रोत होंगे।

पिछले दो महीनों में इस दिशा में उन्होंने कुछ बड़े नीतिगत बदलाव भी किए हैं। ऐसा ही एक परिवर्तन प्रोटोकाल और सामान्य शिष्टाचार की व्यवस्था से जुड़ा है। प्रोटोकाल में उनका आग्रह है कि वे अपने समकक्ष विदेशी पदधारकों से ही मुलाकात करेंगे। ज्ञात हो कि पिछली सरकारों में प्रधानमंत्री प्रोटोकाल की इस परंपरा के पालन में विफल रहे, जिसके चलते उनकी काफी आलोचना भी हुई थी। बालेंद्र शाह इस परिपाटी को बदलना चाहते हैं।

परिवर्तन के इसी क्रम में बीते दिनों उन्होंने नेपाल आए कुछ विदेशी प्रतिनिधिमंडलों और विशेष दूतों से भी मिलने से इसलिए इन्कार कर दिया, क्योंकि वे उनके पद और प्रोटोकाल में बराबर नहीं थे। इन विशिष्ट अतिथियों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दक्षिण और मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर भी शामिल थे। गोर को शाह के मंत्रिमंडल के सदस्यों से ही मिलकर लौटना पड़ा। वहीं मीडिया में आई खबरों की मानें तो भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री का नेपाल दौरा नई दिल्ली ने इसी कारण स्थगित कर दिया, क्योंकि शाह से भेंट का कार्यक्रम नहीं बन पाया, जिसके पीछे भी प्रोटोकाल वाली परंपरा को जिम्मेदार बताया जा रहा है।

इन निर्णयों का नेपाली मीडिया और राजनीतिक विपक्ष पुरजोर विरोध कर रहा है, लेकिन शाह के दृष्टिकोण से देखें तो वे वही कर रहे हैं, जिसका वादा उन्होंने सत्ता में आने से पहले किया था। वह दर्शाना चाहते हैं पिछली सरकारें वादे तो करती रहीं, पर अमल नहीं कर पाईं, विशेषकर विदेशी दबाव से निपटने में और विदेश नीति को निष्पक्ष रखने में। चूंकि उन्हें प्रधानमंत्री बने दो महीने ही हुए हैं, इसलिए शाह चाहेंगे कि विदेश नीति के स्तर पर कोई ऐसा कदम न उठाएं, जिससे किसी एक देश विशेष के प्रति उनका झुकाव दिखाई दे।

इसी के चलते प्रधानमंत्री ने विदेशी राजनयिकों के साथ अप्रैल में एक बैठक की, जिसमें भारत और चीन समेत पंद्रह अन्य देशों के राजदूत भी शामिल थे। यह पहला अवसर था जब किसी नेपाली प्रधानमंत्री ने ऐसा कदम उठाया हो और पड़ोसी देशों जैसे भारत या चीन के राजदूतों से निजी स्तर पर भेंट न की हो। स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री शाह नीतिगत बदलावों की दिशा में ऐसे कदम उठा रहे हैं। एक ओर जहां वह विदेशी सक्रियता के मोर्चे पर नए प्रोटोकाल बना रहे हैं तो स्थापित घरेलू प्रोटोकाल की परंपरा को भी तोड़ रहे हैं। बीते दिनों जब नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल संसद की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे तो शाह ने बहिर्गमन किया जो प्रोटोकाल के हिसाब से बहुत खराब उदाहरण रहा। इसकी चर्चा नेपाली मीडिया में भी हुई।

यह बात सही है कि हर सरकार को अपनी नीतियों और नियमों में बदलाव लाने का अधिकार है, लेकिन शाह का रवैया यही जाहिर करता है कि उनका जोर वैसे कदम उठाने पर ही अधिक है, जो उन्हें अलग तरह के नेता की छवि प्रदान करे। विदेश नीति और कूटनीति के संदर्भ में देखा जाए तो यह एक ऐसी शुरुआत है, जिसका खामियाजा निकट भविष्य में नेपाल को जरूर भुगतना पड़ सकता है। यह न भूला जाए कि नेपाल भारत और चीन से घिरा हुआ देश है और तमाम मामलों में वह भारत जैसे देश पर अपनी आर्थिक और व्यापारिक जरूरतों के लिए पूरी तरह से निर्भर है।

इतिहास भी साक्षी रहा है कि नेपाल पर जब भी कोई संकट आया है, तब भारत एक मित्र राष्ट्र के चलते प्रथम मददगार की तरह खड़ा रहा है। ऐसे किसी साझेदार को लेकर अगर नेपाल की सरकार प्रोटोकाल की दुहाई देना शुरू करेगी तो संभव है कि कोई सहायता मांगने पर दूसरा पक्ष भी इसकी आड़ ले।

आइए हम अपने दिलों में शांति का दीया जलायें और उसका प्रकाश दूसरों तक भी फैलायें।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

# क्वाड बैठक पर टिकी दुनिया की नजरें

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से गहरा रहे वैश्विक संकट के बीच क्वाड देशों की महत्त्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। खास बात यह है कि भारत की मेजबानी में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यह बैठक होगी। खबरों के मुताबिक, इस बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर विचार-विमर्श के अलावा विश्व भर में पैदा हुए ऊर्जा संकट से निपटने के उपायों पर भी मंथन किया जाएगा।

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे को लेकर भी यह उम्मीद जताई जा रही थी कि पश्चिम एशिया में शांति बहाली का कोई रास्ता निकलेगा, मगर दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की वार्ता के नतीजे में ऐसा कुछ नजर नहीं आया।

क्वाड में शामिल देशों में से भारत पर इस वैश्विक संकट का मौजूदा परिस्थितियों में सबसे ज्यादा असर दिख रहा है। चूंकि वर्तमान में भारत क्वाड की अध्यक्षता कर रहा है, इसलिए यह उम्मीद है कि इस बैठक में ऊर्जा संकट का मसला प्रमुखता से रखा जाएगा। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि क्वाड में अमेरिका भी शामिल है और ईरान के साथ उसके और इजरायल के संघर्ष से ही संकट की यह स्थिति उत्पन्न हुई है।

क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक 26 मई को होगी और अमेरिका के

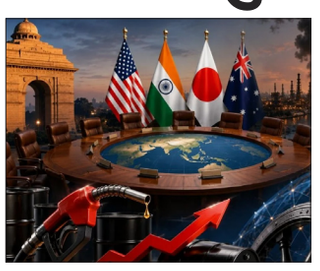

विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को भारत पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं, विशेषकर रक्षा, व्यापार, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग बढाने पर विचार-विमर्श किया। साथ ही पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की गई।

अब सबकी नजरें क्वाड की बैठक पर टिकी हैं कि उसमें किन मुद्दों पर प्रमुखता से चर्चा की जाएगी। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच फिलहाल युद्धविराम जारी है, लेकिन होर्मुज जलमार्ग को खुलवाने के लिए अमेरिका के प्रयास अभी तक नाकाम रहे हैं। इसके बजाय होर्मुज के आसपास अमेरिका की नाकेबंदी से स्थिति और जटिल हो गई है।

दोनों देश अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े हैं, जिस कारण शांति वार्ता के मार्ग पर अनिश्चितता की बर्फ जम गई है। यही वजह है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा समेत अन्य आवश्यक वस्तुओं की कमी का संकट लगातार गहराता जा रहा है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे वैश्विक संकट का भारत पर कितना असर हुआ है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दस दिनों से भी कम समय में शनिवार को तीसरी बार बढ़ोतरी की गई। पेट्रोल के दाम में 87 पैसे प्रति लीटर, जबकि डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। सीएनजी की कीमत में भी एक रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है।

जाहिर है कि ईंधन के दामों में इजाफे से आने वाले दिनों में रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुएं भी महंगी होंगी। कुल मिलाकर इस संकट की सबसे ज्यादा मार आमजन पर ही पड़ेगी। इसलिए जरूरी है कि क्वाड की बैठक में इस मसले को प्रमुखता से रखा जाए और संकट का स्थायी समाधान तलाशने की कोशिश की जाए।

इस संगठन में भारत, अमेरिका के अलावा आस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं और यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने वाले एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है। क्वाड की इस बैठक को इसलिए भी अहम माना जा रहा है कि इसमें समुद्री सुरक्षा, बुनियादी ढांचा और संपर्क सुविधा जैसे मसलों पर गहन मंथन किए जाने की संभावना है।

# सालों तक पार्टनर की तलाश करते हैं सांप

**जरा हट के**

इंसानों में तो सिंगल रहने की शिकायत आम है, लेकिन प्रकृति के कुछ जीव ऐसे भी हैं जो इंतजार की मिसाल पेश करते हैं. सांपों की बात करें तो कई प्रजातियां 8 से 10 साल या उससे भी ज्यादा समय तक अपने सही साथी का इंतजार करती है. अगर सही पार्टनर नहीं मिला तो वे जबरदस्ती या किसी और प्रजाति के साथ मिलन नहीं करते. यह उनकी वफादारी का अनोखा उदाहरण है.

सांपों का प्रजनन व्यवहार बेहद जटिल और रोचक है. ज्यादातर सांप प्रजातियां मौसम के अनुसार मेटिंग करती हैं. मादा सांप फेरोमोन छोड़कर नर को आकर्षित करती है. लेकिन नर को मादा को आकर्षित करने के लिए कई बार लंबा संघर्ष करना पड़ता है. कुछ प्रजातियों में नर सांप मादा के लिए लड़ते भी हैं. फिर भी अगर मादा को नर पसंद नहीं आया तो वह मना कर देती है.

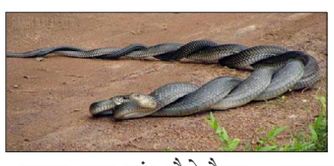

वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार कुछ सांप जैसे रैटल स्नेक, पाइथन और कुछ कोबरा प्रजातियां लंबे समय तक सिंगल रह सकती हैं. खासकर दुर्गम जंगलों और द्वीपों पर रहने वाले सांपों में यह व्यवहार ज्यादा देखा जाता है. जहां जनसंख्या कम है, वहां सही साथी मिलने में कई साल लग जाते हैं. एक अध्ययन में पाया गया कि कुछ नर सांप 10 साल तक मादा की तलाश में भटकते रहते हैं. इस दौरान वे खाना कम खाते हैं और सिर्फ प्रजनन पर फोकस करते हैं. अगर सही मादा नहीं मिली तो वे मरने तक इंतजार करते हैं. दूसरी प्रजाति के साथ मिलन करने की बजाय वे अकेले जीवन बिताना पसंद करते हैं. यह selectivity प्रजाति की शुद्धता बनाए रखने के लिए जरूरी है. अगर सांप दूसरी प्रजाति से मिलन करें तो संतान कमजोर या अनुपयोगी हो सकती है.

प्रकृति ने उन्हें यह सहज बुद्धि दी है कि सही साथी का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है. भारत में पाए जाने वाले कई सांप जैसे रॉयल स्नेक, कोबरा और वाइपर भी इसी व्यवहार को दिखाते हैं. मानसून के मौसम में इनका मेटिंग पीरियड होता है. इस समय सांप ज्यादा सक्रिय दिखते हैं. लेकिन फिर भी हर नर-मादा का जोड़ा नहीं बन पाता. सांपों के इस व्यवहार से हमें कई सबक मिलते हैं.

# पारंपरिक सत्तू पराठे

खाना-खजाना

**सामग्री**

- सत्तू- 1 कप
- प्याज- 1 बारीक कटा हुआ
- हरी मिर्च- 2-3 बारीक कटी हुई
- अदरक- 1 चम्मच
- लहसुन- 5-6 कलियां
- हरा धनिया- आधा कप
- अचार का मसाला- 1-2 चम्मच
- नींबू का रस- 1 चम्मच
- कलौंजी और अजवाइन- आधा छोटा चम्मच
- सरसों का तेल- 1 से 2 चम्मच
- नमक- स्वादानुसार

**आटा गूंथने के लिए-**

- गेहूं का आटा- 2 कप
- नमक- आधा छोटा चम्मच
- घी या तेल-

**बनाने की विधि :**

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा छान लें। इसमें थोड़ा सा नमक मिलाएं। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए नरम और लचीला आटा गूंथ लें।

अब एक मिक्सिंग बाउल में सत्तू लें। इसमें कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, अदरक, लहसुन और हरा धनिया डालें। इसके बाद अजवाइन और कलौंजी को हाथों

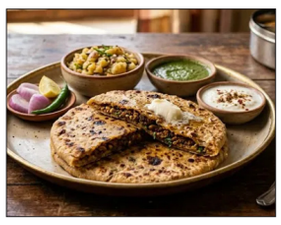

से क्रश करके डालें। अब इसमें सबसे जरूरी सामग्री-अचार का मसाला और सरसों का तेल मिलाएं। लास्ट में नींबू का रस और स्वादानुसार नमक डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें। अब गूंथे हुए आटे की लोई लें, उसे सूखे आटे में लपेटें और उंगलियों की मदद से कटोरी का आकार दें। इस कटोरी में 2 चम्मच सत्तू का मिश्रण भरें। अब आटे के किनारों को ऊपर की ओर लाते हुए आपस में जोड़ें और लोई को अच्छी तरह बंद कर दें। एक्स्ट्रा आटे को हटा दें और लोई को चपटा कर लें। अब बेलन की मदद से हल्के हाथों से गोल पराठा बेल लें। ध्यान रखें कि पराठा फटने न पाए।

अब तवे को गैस पर गर्म करें। बेले हुए पराठे को तवे पर डालें। जब एक तरफ से हल्का सेक जाए, तो इसे पलट दें। दूसरी तरफ घी या तेल लगाएं और फिर से पलटकर अच्छी तरह दबाते हुए सेकें। दोनों तरफ सुनहरे भूरे धब्बे आने और पराठे के क्रिस्पी होने तक इसे मध्यम आंच पर सेकें।

# बच्चों की स्टडी टेबल से तुरंत हटा दें ये चीजें

**...फिर देखिए कैसे लगेगा पढ़ाई में पूरा मन**

- क्या आपको टीनएज बच्चा भी किताब खोलकर ख्यालों में खो जाता है? या फिर घंटों टेबल पर बैठने के बाद भी उसकी पढ़ाई पूरी नहीं होती? दरअसल, टीनएज एक ऐसा पड़ाव होता है जब बच्चों का ध्यान बहुत जल्दी भटकता है। ऐसे में माता-पिता अक्सर परेशान रहते हैं कि बच्चों का मन पढ़ाई में कैसे लगाया जाए।
- आपको जानकर हैरानी होगी कि कई बार समस्या बच्चे की नीयत में नहीं, बल्कि उसकी स्टडी टेबल पर रखी चीजों में होती है। आपके आस-पास का माहौल आपके दिमाग पर सीधा असर डालता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पूरे फोकस के साथ पढ़े, तो उसकी स्टडी टेबल से आज ही इन 5 चीजों को हटा दें।

### ■ स्मार्टफोन और गैर-जरूरी गैजेट्स

यह आज के समय की सबसे बड़ी बीमारी है। स्टडी टेबल पर रखा मोबाइल फोन पढ़ाई का सबसे बड़ा दुश्मन है। एक छोटी-सी 'बीप' या नोटिफिकेशन बच्चे का ध्यान पूरी तरह से भटका देती है। जब बच्चा पढ़ रहा हो, तो उसका फोन दूसरे कमरे में रखें। अगर पढ़ाई के लिए लैपटॉप या टैबलेट जरूरी है, तो उसमें सोशल मीडिया और गेम्स के नोटिफिकेशन बंद कर दें।

### ■ शीशा या सजने-संवरने का सामान

टीनएज में बच्चे अपने लुक्स और अपीयरेंस को लेकर बहुत ज्यादा कॉन्शियस होते हैं। अगर स्टडी टेबल पर या उसके ठीक

सामने कोई शीशा, कंघी या परफ्यूम रखा है, तो बच्चे का ध्यान बार-बार अपने बालों या चेहरे पर जाएगा। पढ़ाई के दौरान उनका फोकस किताब पर होना चाहिए, न कि खुद को निहारने पर। इसलिए ऐसी चीजों को टेबल से दूर ही रखें।

### ■ जंक फूड और हैवी स्नैक्स

कई बार पेरेंट्स लाड़-प्यार में बच्चों की टेबल पर चिप्स, बिस्कुट या भारी स्नैक्स की प्लेट रख देते हैं। खाते-खाते पढ़ने से दिमाग रिलैक्स होने लगता है और बच्चे को नींद आने लगती है। इसके अलावा, तेल वाले हाथों से किताबें भी गंदी होती हैं। स्टडी टेबल पर सिर्फ एक साफ पानी की बोतल रखें। अगर बच्चे को भूख लगे, तो उसे ब्रेक देकर डाइनिंग टेबल पर खाना खिलाएं।

### ■ फालतू किताबें और बिखरा हुआ सामान

एक पुरानी कहावत है- 'जैसी आपकी टेबल होगी, वैसा ही आपका दिमाग होगा।' अगर स्टडी टेबल पर पुरानी कॉपियां, फालतू पेन, और उन विषयों की किताबें भी रखी हैं जिन्हें उस वक्त नहीं पढ़ना है, तो बच्चा कन्फ्यूज और तनावग्रस्त महसूस करेगा। टेबल पर सिर्फ वही किताब, कॉपी और पेन होना चाहिए, जिसकी उस समय जरूरत हो। साफ-सुथरी टेबल देखकर पढ़ने का मन अपने आप करता है।

### ■ कॉमिक्स, नॉवेल्स या वीडियो गेम्स

स्टडी टेबल का मतलब सिर्फ और सिर्फ स्कूल या कॉलेज की पढ़ाई होना चाहिए। अगर वहां कोई कॉमिक बुक, स्टोरी बुक या गेमिंग कंसोल रखा है, तो बच्चे का दिमाग बार-बार उसी की तरफ भागेगा। ये चीजें दिमाग को आराम और मनोरंजन का संकेत देती हैं, जबकि पढ़ाई के लिए फोकस और मेहनत चाहिए होती है। मनोरंजन की चीजों के लिए घर में एक अलग जगह तय करें।

## आज का राशिफल

**मेष** : प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। कार्यभार व अधिकार में वृद्धि हो सकती है। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी।

**वृषभ** : आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनहानि की आशंका है। व्यापार-व्यवसाय में धीमापन रह सकता है।

**मिथुन** : यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। विवाद होगा। मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

**कर्क** : भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रमाद न करें।

**सिंह** : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

**कन्या** : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। आय में कमी होगी।

**तुला** : नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा।

**वृश्चिक** : तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रमाद न करें।

**धनु** : कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी।

**मकर** : आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी से बचें।

**कुंभ** : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। धनहानि भी आशंका है। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

**मीन** : आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे। भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

# हरी मिर्च काटते वक्त अपनाएं ये 3 ट्रिक्स

### ■ हाथों में नहीं होगी जलन, मिनटों में हो जाएगा काम

हरी मिर्च खाने का स्वाद बढ़ाती है और सेहत के लिए फायदेमंद होती है. सब्जी, दाल, चटनी या सलाद, हर चीज में इसका तीखापन स्वाद बढ़ा देता है. हरी मिर्च काटते समय सबसे बड़ी समस्या होती है हाथों में होने वाली जलन. कई बार मिर्च काटने के बाद घंटों तक उंगलियों में तेज जलन महसूस होती रहती है और गलती से हाथ आंखों पर लग जाए तो परेशानी और बढ़ जाती है. ऐसे में कुछ आसान किचन ट्रिक्स अपनाकर इस समस्या से बचा जा सकता है.

### ■ हरी मिर्च काटने की स्मार्ट हैक्स

### ■ हाथों में तेल लगाकर काटें मिर्च

अगर आप हरी मिर्च काटने से पहले हाथों में हल्का सा सरसों या नारियल तेल लगा लेते हैं, तो मिर्च का तीखापन सीधे त्वचा पर असर नहीं करता. दरअसल मिर्च में मौजूद कैप्साइसिन नाम का तत्व जलन पैदा करता है, लेकिन तेल उसकी पकड़ को कम कर देता है. इससे हाथों में जलन नहीं होती और मिर्च काटने का काम भी आसानी से हो जाता है. खास बात यह है कि यह ट्रिक बेहद आसान है और हर घर में मौजूद चीजों से तुरंत अपनाई जा सकती है.

### ■ कैंची से काटें हरी मिर्च

बहुत से लोग चाकू से मिर्च काटते हैं, जिससे हाथों का सीधा संपर्क मिर्च से होता रहता है. अगर आप इसकी जगह किचन कैंची का इस्तेमाल करेंगे तो मिर्च जल्दी भी कटेगी और हाथों में जलन की संभावना भी काफी कम हो जाएगी. बस मिर्च को प्लेट या बर्तन के ऊपर पकड़ें और सीधे कैंची से काटते जाएं. इससे समय की बचत भी होती है और हाथ बार-बार मिर्च के संपर्क में नहीं आते हैं. इससे आप आसानी से हरी मिर्च काट लेते हैं और टाइम भी कम लगता है.

### ■ मिर्च काटने के साबुन से धोएं हाथ

हरी मिर्च काटने के बाद कई लोग सीधे दूसरे काम में लग जाते हैं, जिससे जलन बढ़ सकती है. सबसे अच्छा तरीका है कि मिर्च काटते ही हाथों को ठंडे पानी और साबुन से अच्छी तरह धो लिया जाए. अगर फिर भी हल्की जलन महसूस हो तो हाथों पर दही या एलोवेरा जेल लगा सकते हैं. इससे त्वचा को तुरंत ठंडक मिलती है और जलन कम होने लगती है. यह आसान उपाय मिनटों में राहत देने का काम करता है.

# स्विच बोर्ड साफ करने के आसान तरीके

- घर की रसोई में लगे स्विच बोर्ड चिपचिपे और काले पड़ गए हैं तो इसे साफ करने के लिए आप बेकिंग सोडा और नींबू का इस्तेमाल करें. इसके लिए आप 1 चम्मच बेकिंग सोडा में 1 छोटा चम्मच नींबू का रस मिला दें. अब एक कॉटन बॉल, साफ कपड़ा या फिर पुराना टूथब्रस लें. इस पर बेकिंग सोडा का मिश्रण लगाएं और स्विच बोर्ड को साफ करें. अब साफ सूखे कपड़े से पोंछ दें. इससे बहुत आसानी से चिकनाई और जिद्दी दाग हट जाएंगे.
- सफेद सिरका और पानी के घोल से भी स्विच बोर्ड के दाग-धब्बे, गंदगी को हटा सकते हैं. एक-एक चम्मच दोनों ही चीजें एक बाउल में लें और मिक्स कर लें. अब ब्रश या कपड़े में इसे लगाकर स्विच बोर्ड को रगड़ें. एक मिनट के अंदर बोर्ड की गंदगी, चिपचिपाहट दूर हो जाएगी.
- टूथपेस्ट ब्रश पर लगाकर भी इसकी सफाई कर सकते हैं. इसके लिए आपको कोई भी नॉर्मल सफेद वाला टूथपेस्ट चाहिए. एक पुराने टूथ ब्रश पर थोड़ा सा लगाएं, इससे स्विच बोर्ड की पीली परत हटाने में मदद होगी. अंत में साफ सूखे कपड़े से पोछ दें.
- स्विच के कोनों में जमी गंदगी हटाने के लिए पुराने टूथब्रश का इस्तेमाल करें. आप कपड़े की बजाय माइक्रोफाइबर कपड़े से भी बिजली के बोर्ड को साफ कर सकते हैं. इससे स्विच बोर्ड पर स्क्रैच नहीं पड़ते. सफाई भी अच्छी तरह से होती है.

### स्विच बोर्ड साफ करते समय न करें ये काम

- ज्यादा पानी का इस्तेमाल न करें.
- तेज केमिकल सीधे स्विच पर न डालें.
- धातु वाली चीजों से सफाई न करें.
- महीने में एक से दो बार जरूर सफाई करें.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

## खबरें गांव की...

### नहाने के दौरान तालाब में डूबकर 3 बच्चों की मौत, तीनों परिवार के इकलौते बेटे थे

**हमीरपुर.** हमीरपुर के मौदहा कोतवाली के खंडेह गांव के रामजानकी मंदिर के पीछे स्थित तालाब में नहाते समय सोमवार की सुबह तीन बच्चों की डूबकर मौत हो गई। बच्चों के डूबने की खबर मिलते ही ग्रामीणों की मौके पर भीड़ लग गई। मशक्कत के बाद तीनों को तालाब से निकालकर सीएचसी लाया गया, जहां चेकअप के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया गया। खंडेह गांव निवासी घनश्याम यादव का 11 वर्षीय पुत्र प्रबल कुमार यादव, राजू कुशवाहा गांव का आठ वर्षीय पुत्र आदित्य, सीताराम कुशवाहा का 10 वर्षीय पुत्र भोला सोमवार की सुबह 10.30 बजे गांव के रामजानकी मंदिर के पीछे गर्मी से बचने को लेकर तालाब नहाने गए थे।

### गोरखपुर में युवक की गला रेतकर हत्या, आमी नदी में बोरे में उतराती मिली लाश

**गोरखपुर.** उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। सोमवार की सुबह युवक का बोरे में बंद शव आमी नदी में उतराता मिला। युवक का शव मिलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। आशंका जताई जा रही है कि युवक की कहीं और गला काटकर हत्या करने के बाद शव को ठिकाने लगाने के उद्देश्य से बोरे में भरकर नदी में फेंक दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।घटना, गोरखपुर के गीडा थाना क्षेत्र के अडिलापार गांव की है। यहां सेमरहवां बाबा स्थान के पास सोमवार की सुबह आमी नदी में बोरे में बंद एक युवक का शव उतराता मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने आमी नदी पुल के नीचे बोरे में शव उतराता देखा तो मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। बोरे से शव निकालने पर युवक की उम्र करीब 40 वर्ष आंकी गई। उसके दोनों हाथ बंधे हुए थे और गला कटा था। शरीर पर कई जगह चोट के निशान भी मिले हैं। युवक ने काले रंग की जींस और भूरे रंग की हाफ टी-शर्ट पहन रखी थी।

### मर्डर या सुसाइड? पेड़ से लटके मिले युवक-युवती के शव, लव अफेयर की भी चर्चा

**बाराबंकी.** बाराबंकी के सतरिख थाना क्षेत्र स्थित गेहंदवर गांव में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के बाहर एक चिलबिल के पेड़ पर युवक और युवती के शव फंदे से लटके मिले। दोनों शव पेड़ की अलग-अलग डाल पर दुपट्टे के सहारे लटके हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। मृतक युवक की पहचान गांव निवासी 25 वर्षीय रोहित पुत्र श्रीपाल रावत के रूप में हुई है। वहीं युवती की अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी पहचान करने में जुटी हुई है। ग्रामीणों के बीच दोनों के प्रेम प्रसंग की चर्चा भी चल रही है। बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह खेतों की ओर गए ग्रामीणों ने पेड़ से दोनों शव लटके देखे तो हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर सतरिख थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में सीओ सदर सौरभ श्रीवास्तव और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।

# 5 लाख तक की बकरियां, 12 लाख के बैल

### ■ बकरीद से पहले पशु बाजारों में महंगाई का तांडव

**नई दिल्ली.** इस्लाम धर्म के सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक ईद-उल-अजहा (बकरीद या कुर्बानी ईद) की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, लेकिन इस बार पशु बाजारों में कीमतों ने सबको चौंका दिया है। जहां सामान्य बकरियां 5 लाख रुपये तक और कुर्बानी वाले बैल 12 लाख रुपये तक की कीमत पर पहुंच गए हैं, वहीं खरीदार हैरानी और निराशा के साथ बाजारों का रुख कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि मुद्रास्फीति, चारे की आसमान छूती कीमतें, ईंधन महंगाई और पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव ने मिलकर पशुधन व्यापार को महंगा बना दिया है।

### ■ भारत के मवेशी बाजारों में रिकॉर्ड उछाल

भारत में दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, हैदराबाद, जयपुर, अहमदाबाद और लखनऊ समेत तमाम बड़े शहरों के पशु बाजार इन दिनों खचाखच भरे हुए हैं। सुबह से शाम तक खरीदारों और विक्रेताओं की आवाजें गूंज रही हैं, लेकिन हर कोई कीमत सुनकर सिर पकड़ ले रहा है।

### ■ मुंबई का क्या है हाल?

देश का सबसे बड़ा पशु व्यापार केंद्र देवनार बाजार में खूब चहल-पहल देखी जा रही है। यहां राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से हजारों पशु यहां लाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, देवनार बाजार में सामान्य बकरियां 30000 से 80000 रुपये में मिल रही हैं, जबकि बेहतरीन प्रीमियम बकरियां 7 लाख से 10 लाख रुपये तक बिक रही हैं। वहीं, भारी वजन वाले बैल 2 लाख से 12 लाख रुपये के बीच के दामों पर उपलब्ध हैं। व्यापारी बता रहे हैं कि इस बार मांग बढ़ने के साथ-साथ सप्लाई पर भी दबाव है।

### कब है बकरीद?

ईद-उल-अजहा इस्लामी कैलेंडर के जुल हिज्जा महीने की 10वीं तारीख को मनाया जाता है। यह त्योहार हजरत इब्राहिम (अलैहिस्सलाम) की अल्लाह के प्रति समर्पण और आज्ञाकारिता की याद दिलाता है, जब उन्होंने अपने पुत्र इस्माइल की कुर्बानी देने के लिए तैयार हो गए थे। इस अवसर पर मुसलमान दुनिया भर में पशु कुर्बानी कर गरीबों और जरूरतमंदों में मांस बांटते हैं। इस साल सऊदी अरब, कुवैत, कतर, जॉर्डन, पाकिस्तान और कई अन्य देशों में बकरीद 27 मई 2026, बुधवार को मनाई जाएगी। भारत, बांग्लादेश और कुछ अन्य देशों में चांद के दीदार के आधार पर यह 28 मई 2026 ( गुरुवार ) को मनाई जाएगी।

### डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बाल-बाल बचे

**मुरादाबाद.** यूपी के मुरादाबाद जिले में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया है। यहां संभल दौरे से वापस जाते समय एयरपोर्ट पर डिप्टी CM ब्रजेश पाठक के सरकारी विमान में टेक-ऑफ के दौरान अचानक तकनीकी गड़बड़ी आ गई। इस दौरान विमान के एक इंजन से धुआं निकलता देखकर सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सतर्क हो गईं। उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए डिप्टी सीएम को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बाद में डिप्टी सीएम सड़क मार्ग से लखनऊ के लिए रवाना हुए। मिली जानकारी के अनुसार डिप्टी सीएम बृजेश पाठक यूपी सरकार के विमान में सवार थे। वह लखनऊ प्रस्थान करने वाले थे। जैसे ही उनका विमान टेक ऑफ के लिए रनवे पर आगे बढ़ा वैसे ही अचानक उसका इंजन बंद हो गया।

# मुझे वोट देने में कई लोग मारे गए, अब पूरा हिसाब होगा

### ■ CM शुभेंदु अधिकारी ने चेताया

**कोलकाता.** पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर हुए हमलों को लेकर ऐक्शन मोड में हैं। उन्होंने चेतावनी दे दी है कि 2021 चुनाव के बाद हुए कथित हमलों की कानूनी जांच की जाएगी। साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को भी कानून हाथ में नहीं लेने की हिदायत दी है। खास बात है कि 2026 विधानसभा चुनाव में जीत के बाद अधिकारी पहली बार रविवार को नंदीग्राम पहुंचे थे।

### हमलों का रखा है रिकॉर्ड

नंदीग्राम में अधिकारी ने कहा कि भाजपा ने उसके कार्यकर्ताओं पर हुए तृणमूल कांग्रेस के कथित हमलों का रिकॉर्ड रखा है। उन्होंने कहा, '2021 विधानसभा चुनावों के बाद कई भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों को तोड़ा गया और कई पार्टी समर्थकों को मारा गया। सभी का हिसाब रखा गया है और सभी को कानूनी न्याय मिलेगा।'

उन्होंने कहा, 'अगर आप चाहें, तो तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के घरों की ईंटें खींच लें, लेकिन ऐसा कभी नहीं करना। भाजपा ऐसे कामों को बढ़ावा नहीं देती है। मुझे सब याद है और मैं किसी भी बात को नहीं छोड़ूंगा।' मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा, 'मेरे लिए वोट करने में कई लोग मारे गए हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने पूरा रिकॉर्ड रखा है। भरोसा कीजिए, मैं नंदीग्राम का कर्ज चुकाऊंगा।'

# PM मोदी को झालमुड़ी खिलाने वाले को मिल रही धमकियां

### ■ दुकान पर बढ़ाई गई सुरक्षा

**कोलकाता.** पश्चिम बंगाल के झारग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव प्रचार के दौरान सड़क किनारे के स्टॉल से झालमुड़ी खरीदने का वीडियो वायरल हुआ था। उस स्टॉल के मालिक विक्रम कुमार साहू अचानक चर्चा में आ गए। पीएम मोदी खुद उनके हाथ से तैयार झालमुड़ी खाते दिखे। हालांकि, फेमस होने के साथ ही साहू की मुश्किलें भी शुरू हो गईं। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से उनके मोबाइल पर बार-बार मौत की धमकियां मिल रही हैं। धमकियां टेक्स्ट मैसेज, व्हाट्सएप और वीडियो कॉल के जरिए आ रही हैं।

एक वीडियो कॉल में तो साहू को बंदूक दिखाकर धमकाया गया। इससे उनके परिवार में दहशत फैल गई और उन्होंने कुछ दिनों के लिए अपनी दुकान भी बंद कर दी थी। झारग्राम पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए साहू के स्टॉल पर यूनिफॉर्म और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों व केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) के जवानों की तैनाती कर दी है। स्टॉल पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। साइबर क्राइम एक्सपर्ट्स को भी मामले में शामिल किया गया है।

### धमकियां देने वाले फोन नंबर्स की पहचान

पुलिस अधिकारी के अनुसार, धमकियां देने वाले फोन नंबर्स की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिकायत दर्ज होने के बाद सुरक्षा के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जांच शुरू कर दी गई है। साहू ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि धमकियों से वे और उनका परिवार बेहद डरा हुआ था। साहू ने कहा कि शुरुआती दिनों में डर के मारे दुकान बंद रखनी पड़ी, लेकिन अब पुलिस सुरक्षा के साथ वे फिर से अपने काम पर लौट आए हैं।

# बीच में मत पड़ो, ये हमारा मामला है भारत को आंख दिखाने लगा चीन

चीन ने एक बार फिर हद पार करते हुए भारत को चेतावनी दी है। इस बार मुद्दा दलाई लामा का है। भारत के लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश के बॉर्डर पर अवैध दावा करने वाले चीन ने भारत को दलाई लामा के मामले से दूर रहने को कहा है। दरअसल चीन तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन को लेकर घबराया हुआ है। हाल ही में नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास ने एक बयान जारी कर कहा है कि यह चीन का आंतरिक मामला है और भारत को इससे दूर रहना चाहिए।

चीनी प्रवक्ता यू जिंग ने इसे लेकर एक आधिकारिक बयान जारी किया। बयान में कहा गया कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी का मुद्दा पूरी तरह से चीन का आंतरिक मामला है और भारत इसमें दखलअंदाजी न करे। वहीं चीनी दूतावास ने भारत से यह मांग भी की है कि वह अपनी धरती का

इस्तेमाल 'तिब्बत की आजादी' की मांग करने वाले संगठनों और उनके नेताओं को मंच देने के लिए न करे।

### क्या बोला चीन?

चीन ने इस दौरान कहा कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चयन हमेशा से धार्मिक परंपराओं और ऐतिहासिक प्रथाओं के अनुसार होता है और इसमें चीन की मंजूरी जरूरी होती है। यू जिंग ने कहा, 'दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए सदियों पुरानी धार्मिक परंपराओं और ऐतिहासिक प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है और इसमें चीन की केंद्र सरकार की मंजूरी जरूरी होती है। 14वें दलाई लामा को भी इसी प्रक्रिया के तहत मान्यता दी गई थी।' चीनी प्रवक्ता ने आगे कहा, 'दलाई लामा के पुनर्जन्म का मुद्दा पूरी तरह चीन का आंतरिक मामला है और इसमें बाहरी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।'

### तिब्बत पर भी बोला

चीन ने यह भी कहा कि 'सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन' को किसी भी संप्रभु देश द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है और उसे इस प्रक्रिया पर कोई दावा करने का अधिकार नहीं है। यू जिंग ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि भारत इन प्रतिबद्धताओं का पालन करता रहेगा, 'तिब्बत की आजादी' से जुड़ी गतिविधियों को कोई मौका नहीं देगा और दलाई लामा के पुनर्जन्म के मुद्दे में हस्तक्षेप करने से बचेगा।'

### अभिषेक बनर्जी पर कसा शिकंजा

**कोलकाता.** तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर शिकंजा कसता दिख रहा है। सोमवार को उनके कोलकाता स्थित आवास 188 ए हरीश मुखर्जी रोड पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। कोलकाता नगर निगम के अवैध निर्माण नोटिस की समयसीमा समाप्त होते ही पुलिस की यह कार्रवाई शुरू हुई, जिससे सियासी गलियारों में हलचल मच गई है। बताया जा रहा है कि पुलिस की यह कार्रवाई कोलकाता नगर निगम द्वारा जारी किए गए नोटिस के बाद हुई है। नगर निगम ने अभिषेक बनर्जी के आवास के कई हिस्सों में कथित अवैध निर्माण को लेकर उन्हें सात दिन का नोटिस दिया था। यह समयसीमा सोमवार को समाप्त हो गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

# बड़े दुख की बात है, इतने पर भी कोई सबक नहीं

### ■ NEET पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट ने कह दी बड़ी बात

**नई दिल्ली.** नीट यूजी पेपर लीक का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बड़ी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बड़े दुख की बात है कि इतने के बाद भी कोई सबक नहीं सीखा गया। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की स्पेशल बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट की याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रही है जिसमें नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) को भंग करने से लेकर निष्पक्ष सीबीआई जांच तक की मांग की गई है।

### ■ केंद्र और सीबीआई से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सा परीक्षा आयोजित करने के लिए एनटीए (राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी) की जगह एक अधिक मजबूत और स्वायत्त निकाय स्थापित करने की मांग वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार, एनटीए और सीबीआई से जवाब मांगा है।

बता दें कि नीट पेपर लीक मामले में विपक्ष शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि राष्ट्रीय योग्यता सह प्रवेश परीक्षा-यूजी (नीट-यूजी) पेपर लीक प्रकरण को केवल सरकार-प्रशासन की विफलता नहीं, बल्कि यह युवाओं के भविष्य के साथ किया जा रहा एक जघन्य अपराध करार देते हुए कहा है कि इस मामले में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अविलंब अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि गरीब और मध्यम वर्गीय माता-पिता अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य की आस में लाखों रुपये का कर्ज लेकर उन्हें पढ़ाते हैं लेकिन इस भ्रष्ट व्यवस्था ने उनका विश्वास पूरी तरह से तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब इस अन्याय के खिलाफ पीड़ित परिवारों और युवाओं ने न्याय की गुहार लगाई, तो पुलिस और प्रशासन ने उनके साथ संवेदनहीनता दिखाते हुए दुर्व्यवहार किया। इस व्यवस्था की नाकामी के कारण जो जान गई है, उसकी पूरी जिम्मेदारी इस तंत्र और सरकार की है।

# तमिलनाडु CM विजय थलापति का ऐक्शन

### ■ महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस को सीधा निर्देश

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय अब ऐक्शन में नजर आ रहे हैं। अभी तक फिल्मी पर्दे पर ऐक्शन लेने वाले विजय अब मुख्यमंत्री के तौर पर सख्त और तत्काल फैसले ले रहे हैं। शपथ लेने के बाद सबसे पहले महिला सुरक्षा के ऊपर कानून बनाने वाले विजय ने हाल ही में पुलिस को सख्त निर्देश दिए हैं कि महिला और बच्चों के साथ होने वाले अपराधों की एफआईआर तुरंत लिखी जाए इसके अलावा जघन्य अपराधों की स्थिति में तुरंत ही आयोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

बता दें, तमिलनाडु के कोयंबटूर में 10 वर्षीय बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न की घटना के बाद पूरे राज्य में आक्रोश फैला हुआ है। इसी को लेकर चेन्नई में कल उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक बुलाई गई थी। इसी बैठक में मुख्यमंत्री विजय ने महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में तुरंत जांच करने और जल्दी से जल्दी फैसला करने का आदेश दिया, जिससे भविष्य में ऐसे अपराधों में कमी लाई जा सके।

सीएम विजय के इस आदेश की पुष्टि राज्य सरकार द्वारा जारी की गई प्रेस रिलीज से हुई। इसके अनुसार, मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि यौन अपराधों से जुड़े मामलों को तेजी के साथ निपटाया जाना चाहिए और प्रभावी ढंग से इनका केस चलाया जाना चाहिए। ऐसे मामलों में दोषियों पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए, जिससे भविष्य में ऐसे अपराध न हों।' इससे पहले विजय ने कोयंबटूर में यौन अपराध पीड़िता के परिवार से फोन पर बात की और उन्हें तुरंत और हर संभव सहायता और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। बता दें, इस यौन अपराध और हत्या के मामले में अभी तक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

# 'ज्यादा भावुक न हों'

### ■ कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ याचिका पर बोले CJI सूर्यकांत

**नई दिल्ली.** CJP यानी कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। हालांकि, इसके लिए तारीख तय नहीं की गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश CJI सूर्यकांत ने कहा है कि इसमें तत्काल सुनवाई की कोई जरूरत नहीं है। खास बात है कि सीजेआई के बयान के बाद से ही सोशल मीडिया पर सीजेपी चर्चा में आ गई थी। अब याचिका दाखिल कर इसकी CBI जांच की मांग की गई थी।

सोमवार को इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में चर्चा हुई। एडवोकेट एनके गोस्वामी ने अदालत से कहा, 'वो न्यायपालिका की छवि को खराब कर रहे हैं।' इसपर सीजेआई ने कहा, 'इस मामले को ज्यादा भावुक हो कर न लें।' उन्होंने कहा, 'एकदम तत्काल सुनवाई की जरूरत नहीं है। हम देखते हैं।' एक अन्य वकील ने कहा, 'हम फर्जी वकील मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। दूसरा, कोर्ट में हुई बातचीत को कमर्शियल मकसद से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।'

# राजस्थान प्लेऑफ में पहुंची सीजन की टॉप-4 टीमें तय

| मैच | टीमें | तारीख | वेन्यू |
|---|---|---|---|
| क्वालिफायर-1 | बेंगलुरु Vs गुजरात | 26 मई | धर्मशाला |
| एलिमिनेटर | राजस्थान Vs हैदराबाद | 27 मई | न्यू चंडीगढ़ |
| क्वालिफायर-2 | टीमें तय नहीं | 29 मई | न्यू चंडीगढ़ |
| फाइनल | टीमें तय नहीं | 31 मई | अहमदाबाद |

(सभी मैच शाम 7:30 बजे शुरू होंगे।)

### पॉइंट्स टेबल

| रैंक | टीम | मैच | जीत | हार | NR | अंक | NRR |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | RCB (Q) | 14 | 9 | 5 | 0 | 18 | 0.783 |
| 2 | GT (Q) | 14 | 9 | 5 | 0 | 18 | 0.695 |
| 3 | SRH (Q) | 14 | 9 | 5 | 0 | 18 | 0.524 |
| 4 | RR (Q) | 14 | 8 | 6 | 0 | 16 | 0.189 |
| 5 | PBKS (E) | 14 | 7 | 6 | 1 | 15 | 0.309 |
| 6 | DC (E) | 14 | 7 | 7 | 0 | 14 | -0.651 |
| 7 | KKR (E) | 14 | 6 | 7 | 1 | 13 | -0.147 |
| 8 | CSK (E) | 14 | 6 | 8 | 0 | 12 | -0.345 |
| 9 | MI (E) | 14 | 4 | 10 | 0 | 8 | -0.584 |
| 10 | LSG (E) | 14 | 4 | 10 | 0 | 8 | -0.740 |

IPL में रविवार को खेले गए पहले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 30 रन से हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली। वानखेड़े स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 205 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 175 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ IPL 2026 की टॉप-4 टीमें तय हो गई हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान ने प्लेऑफ में जगह बनाई है। 26 मई को क्वालिफायर-1 में बेंगलुरु और गुजरात आमने-सामने होंगे, जबकि 27 मई को एलिमिनेटर में हैदराबाद और राजस्थान की भिड़ंत होगी। IPL 2026 का प्लेऑफ लाइनअप तय हो चुका है। 26 मई को बेंगलुरु और गुजरात के बीच क्वालिफायर-1 खेला जाएगा, जबकि 27 मई को हैदराबाद और राजस्थान एलिमिनेटर में भिड़ेंगे।

प्लेऑफ की चारों टीमों का सफर अलग-अलग दिखा, लेकिन आंकड़ों में कुछ ऐसे कॉमन पैटर्न सामने आए, जिन्होंने इनके सफल सीजन की नींव रखी। ये चार फैक्टर्स हैं- मजबूत टॉप ऑर्डर, टॉप तीन गेंदबाजों का प्रदर्शन, 200+ के ज्यादा स्कोर और कंसिस्टेंसी।

इस सीजन 5 टीमें ऐसी रहीं, जिनकी ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 3 बल्लेबाजों ने मिलकर 1300 से ज्यादा रन बना दिए। इनमें से चार टीमों ने प्लेऑफ में जगह बना ली। सिर्फ पंजाब की टीम ऐसी रही, जिसके तीन बल्लेबाजों ने मिलकर 1300 रनों का आंकड़ा पार किया। लेकिन, उसे प्लेऑफ में जगह नहीं मिल पाई। बाकी की पांच टीमों के तीन बेस्ट रन-स्कोरर मिलकर 1200 रन भी नहीं बना सके।

पूरे सीजन में 5 टीमें ही ऐसी रहीं, जिनके बेस्ट परफॉर्मिंग 3 गेंदबाजों ने मिलकर 45 या इससे ज्यादा विकेट लिए। इनमें से चार प्लेऑफ में पहुंची है। सिर्फ चेन्नई ऐसी टीम रही, जिनके टॉप-3 गेंदबाजों ने मिलकर 48 विकेट लिए फिर भी वह टॉप-4 में नहीं आ पाई। बाकी पांच टीमों में से चार दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और पंजाब के बेस्ट तीन बॉलर्स मिलकर 40 विकेट भी नहीं लिए।

**पीएम मोदी के रास्ते में मिला विस्फोट**

# 6 पुलिसकर्मियों पर निलंबन की गिरी गाज

**बेंगलुरू.** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 मई को शहर के बाहरी क्षेत्र स्थित 'आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर' के दौरे से पहले जिलेटिन छड़ें बरामद होने के मामले में 6 पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। लापरवाही के आरोप में इन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बेंगलुरु दक्षिण जिले के पुलिस अधीक्षक आर श्रीनिवास गौड़ा ने एक उपनिरीक्षक, एक सहायक उपनिरीक्षक और चार कांस्टेबलों को निलंबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान एक पुलिस कांस्टेबल को सर्किट और टाइमर लगी जिलेटिन की छड़ें दिखाई दीं।

बेंगलुरु साउथ के रामनगर के इलाके में पाए गए विस्फोटक की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले सफाई अभियान के दौरान जिलेटिन की छड़ें बरामद की गई थीं। डीसीपी (सेंट्रल रेंज) बेंगलुरु ने कहा कि फुटपाथ के पास दो जिलेटिन की छड़ें पाई गई थीं। यह जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा स्थल से 3 किलोमीटर की दूरी पर थी। अधिकारियों ने बताया कि जांच पुरी होने तक 6 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। पुलिस ने इस मामले में विस्तृत जांच शुरू की है कि आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे वाले रास्ते में जिलेटिन की छड़ें कहां से आईं।

# असम में पेश हो गया UCC विधेयक

### ■ हिमंत सरमा सरकार का बड़ा कदम;
### ■ आदिवासियों को राहत

**गुवाहाटी.** असम विधानसभा में समान नागरिक संहिता (UCC) विधेयक पेश कर दिया गया है। विपक्षी दलों के विधायकों ने असम विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश किए जाने का विरोध किया। विपक्ष ने विधेयक पेश किए जाने से पहले सभी पक्षकारों के साथ व्यापक चर्चा की मांग की है। बता दें कि कैबिनेट ने इस विधेयक को पहले ही हरी झंडी दे दी थी। इसके साथ ही इस विधेयक को सदन के पटल पर रख दिया गया। उत्तराखंड, गुजरात के बाद असम तीसरा राज्य है जिसने यूसीसी बिल पेश किया है। इस विधेयक में आदिवासी समुदाय को बाहर रखा गया है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि यह कानून धार्मिक परंपराओं और पूजा पद्धतियों में कोई दखल नहीं देना वाला है। इसके जरिए किसी भी धार्मिक रीति-रिवाज को नियंत्रित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों के मन में सवाल हैं कि क्या पूजा-पाठ और रीति रिवाज भी यूसीसी के दायरे में आएंगे। उन्होंने कहा, धार्मिक परंपराओं को इससे पूरी तरह बाहर रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ी और मैदानी इलाके में रहने वाले आदिवासी समुदाय को भी यूसीसी के दायरे से बाहर रखा गया है।

### यूसीसी के मसौदे में क्या है

राज्य सरकार का कहना है कि इस विधेयक का मसौदा विशिष्ट जनसांख्यिकीय विविधता को ध्यान में रखकरतैयार किया गया है। इसके चार प्रमुख उद्देश्य हैं। पहला उद्देश्य है राज्य में बहुविवाह की प्रथा पर पुरी तरह से रोक लगाना। दूसरा है विवाह के लिए न्यूनतम कानूनी उम्र की सीमा को लागू करना। तीसरा है सभी शादियों और तलाक का सरकारी रिकॉर्ड में द्रज किया जाना। चौथा उद्देश्य बेटियों को पैतृक संपत्ति में बराबर का हक दिलवाना और पांचवां लिव इन में रहने वाले लोगों के लिए कड़े नियम बनाना और पंजीकरण अनिवार्य करना है।

## संक्षेप...

### तीसरी मंजिल पर लटकी बकरी को बचाया

मुंब्रा इलाके से इंसानियत और बहादुरी की मिसाल पेश करने वाला एक मामला सामने आया है. यहां एक रिहायशी इमारत की तीसरी मंजिल से खतरनाक तरीके से लटक रही बकरी को स्थानीय युवकों ने अपनी सूझबूझ और साहस से सुरक्षित बचा लिया. इस पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग युवकों की जमकर तारीफ कर रहे हैं. इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी.

# MP श्रीकांत शिंदे 'संसद रत्न' से सम्मानित

- 12 सांसदों में से पांच महाराष्ट्र के
- सांसद नरेश म्हस्के भी शामिल

**ठाणे.** संसद में अच्छा काम करने वाले MPs को संसद रत्न से सम्मानित किया गया है, और इसमें राज्य के पांच MP शामिल हैं। MP डॉ. श्रीकांत शिंदे, नरेश म्हस्के, डॉ. हेमंत सावरा, स्मिता उदय वाघ और डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी को ये अवॉर्ड मिले हैं। अवॉर्ड सेरेमनी जुलाई में नई दिल्ली में होगी।

संसद रत्न अवॉर्ड्स की 16वीं सेरेमनी जुलाई 2026 में नई दिल्ली में होगी, और इस बार 150वां अवॉर्ड दिया जाएगा। प्राइम पॉइंट फाउंडेशन के श्रीनिवासन, जो संसद रत्न अवॉर्ड के फाउंडर हैं, और संसद रत्न अवॉर्ड कमिटी की चेयरपर्सन प्रियदर्शिनी राहुल ने नई दिल्ली में अवॉर्ड की घोषणा की। जूरी ने 10 लोकसभा MPs, 2 राज्यसभा MPs और 4 पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटियों को सांसद रत्न अवॉर्ड 2026 के लिए चुना था।

उन्होंने बताया कि इंडिविजुअल कैटेगरी में उत्तर प्रदेश से जगदंबिका पाल, पी. पी. चौधरी, झारखंड से निशिकांत दुबे और डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे शामिल हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश से प्रवीण पटेल, झारखंड से विद्युत बरन महतो, राजस्थान से लुंबरम चौधरी, नरेश म्हस्के, डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, स्मिता उदय वाघ, डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी और गुजरात से नरहरी अमीन को भी चुना गया है। चार पार्लियामेंट्री कमेटियों को भी शानदार परफॉर्मेंस के लिए अवॉर्ड देने की घोषणा की गई है।

चेन्नई के एक NGO प्राइम पॉइंट फाउंडेशन ने 2010 में पूर्व प्रेसिडेंट एपीजे अब्दुल कलाम की सलाह पर सांसद रत्न अवॉर्ड शुरू किया था। पहले अवॉर्ड सेरेमनी का उद्घाटन खुद डॉ. कलाम ने किया था। 'प्राइम पॉइंट फाउंडेशन ने हाल ही में अपनी 25वीं सालगिरह मनाई है। विजेताओं को सीनियर अवॉर्ड जीतने वाले पार्लियामेंट मेंबर्स, रिटायर्ड संवैधानिक अधिकारियों और शिक्षाविदों की जूरी चुनती है। यह चुनाव MPs और कमेटियों के पार्लियामेंट्री परफॉर्मेंस स्टैटिस्टिक्स के आधार पर किया जाता है।

# 'स्वच्छ भिवंडी' स्पर्धा के तहत 3 स्वास्थ्य निरीक्षकों का चयन

**भिवंडी.** भिवंडी निजापुर शहर महानगर पालिका ने अप्रैल-2026 से जुलाई-2026 तक 'स्वच्छ भिवंडी' स्पर्धा का आयोजन किया. इस कॉम्पिटिशन के तहत तय किए गए काम के रिज़ल्ट के हिसाब से, स्वास्थ्य निरीक्षकों के 1 अप्रैल से 14 मई तक किए गए काम की रेटिंग के आधार पर पहले तीन सबसे अच्छा परफ़ॉर्म करने वाले स्वास्थ्य निरीक्षक चुने गए हैं।

1. गौतम गोविंद जाधव, प्रभाग समिति क्र. 3, शौचालय विभाग- 50.00%
2. सिद्धार्थ जय सोनवणे- प्रभाग समिति क्र. 4, वार्ड नंबर 19, 47.27%
3. उत्तम शिवराम जाधव- प्रभाग समिति क्र. 5 वार्ड नंबर 01- 43.82%

मनपा आयुक्त ने उपरोक्त कर्मचारियों के काम की तारीफ़ की है और दूसरे स्वास्थ्य निरीक्षकों से भी इन कर्मचारियों की तरह अपने काम की क्वालिटी साबित करने की अपील की है.

# आबिद मुंसफ खान को भिवंडी शहर ज़िलाध्यक्ष बनाए जाने पर अभिनंदन

**भिवंडी.** ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (AICC) ने महाराष्ट्र में कांग्रेस ऑर्गनाइज़ेशन को और ज़्यादा काबिल और असरदार बनाने के मकसद से एक बड़े संगठनात्मक पुनर्रचना का ऐलान किया है. वरिष्ठ कांग्रेसी आबिद मुंसफ खान को भिवंडी शहर ज़िला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है.

कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी के. सी. वेणुगोपाल ने एक अधिकृत बयान में यह जानकारी दी. भिवंडी शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के तौर पर आबिद मुंसफ खान की नियुक्ति से शहर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है. कांग्रेस जनों को उम्मीद है कि उनकी नियुक्ति से पार्टी संगठन में नई जान आएगी और आने वाले चुनाव में कांग्रेस और भी असरदार तरीके से मैदान में उतरेगी.

..आबिद मुंसफ खान पिछले तीन दशकों से कांग्रेस पार्टी में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं.उन्होंने भिवंडी शहर यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष का पद भी सफलतापूर्वक संभाला है और युवाओं को संगठित करने के लिए खास काम किया है. पार्टी संगठन को मज़बूत करने के साथ-साथ, उन्होंने शहर के अलग-अलग सोशल और पॉलिटिकल मुद्दों पर लगातार संज्ञान लेकर समाधान की कोशिश की है. नियुक्ति के बाद महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रानीताई अग्रवाल, महासचिव प्रदीप राका,मु. तारिक फारूकी, डा.नूर अंसारी आदि कांग्रेसी नेताओं ने शाल, पुष्पगुच्छ प्रदान कर अभिनंदन करते हुए नई पारी की शुभकामना दी.उक्त मौके पर नवनियुक्त अध्यक्ष आबिद मुंसफ खान ने कहा, सबको साथ लेकर चलने वाला रुख अपनाएंगे और सभी के साथ मिलकर काम करेंगे.संगठन में युवाओं को ज़्यादा मौके देने की कोशिश करेंगे.

## मराठी गायक आनंद शिंदे ने जबरन वसूली की शिकायत दर्ज कराई

**ठाणे.** मराठी गायक आनंद प्रह्लाद शिंदे ने शिकायत दर्ज कराई है कि एक महिला, उसके भाई और उसकी मां ने यौन शोषण के फर्जी मामले में फंसाने की धमकी देकर उनसे जबरन वसूली की है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह मामला जांच के लिए ठाणे अपराध शाखा को सौंपा गया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने शिकायत के आधार पर कहा, ''64 वर्षीय गायक ने बताया कि कथित जबरन वसूली और उत्पीड़न दिसंबर 2023 से किया जा रहा था।'' डोम्बिवली के मानपाडा थाने में शिंदे द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, एक महिला और उसकी मां पहली बार उनके घर पर उनसे मिलीं तथा उनके संगीत कार्यक्रमों में नर्तकी के रूप में प्रदर्शन करने का अवसर मांगा। इसके बाद, गायक से महिला की मुलाकात विभिन्न गायन और नृत्य कार्यक्रमों के दौरान हुई।

# शिवसंवाद दौरा : अंबरनाथ-उल्हासनगर में संगठनात्मक समीक्षा बैठक संपन्न

**उल्हासनगर.** राज्यव्यापी 'शिवसंवाद दौरे' के अंतर्गत अंबरनाथ और उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्रों में शिवसेना, युवासेना, महिला आघाड़ी एवं स्थानीय पदाधिकारियों की संगठनात्मक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, जनसंपर्क अभियान को गति देने तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए कार्यकर्ताओं को तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में कार्यकर्ताओं को लगातार जनता के बीच रहने, नए कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने, स्थानीय जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने और बूथ स्तर की संगठनात्मक तैयारियों को और सशक्त बनाने संबंधी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया गया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के मंत्री योगेश कदम, सांसद नरेश म्हस्के, पूर्व सांसद आनंद परांजपे, विधायक बालाजी किणीकर, विधायक राजेश मोरे, जिल्हाप्रमुख गोपाळ लांडगे, उल्हासनगर की महापौर अश्विनी निकम, पूर्व नगराध्यक्ष सुनील चौधरी, बदलापुर शहर प्रमुख वामण म्हात्रे, उपजिल्हाप्रमुख अरविंद मोरे,कल्याण उल्हासनगर संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष पुष्पा बोराडे, महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी, शिवसेना शहर प्रमुख राजेंद्रसिंह भुल्लर तथा युवासेना लोकसभा सचिव हरजिंदरसिंह भुल्लर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, महिला आघाड़ी, युवासेना के कार्यकर्ता और शिवसैनिक उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन और जनआधार मजबूत करने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक मजबूती और जनसंपर्क अभियान को और तेज करने का आह्वान किया।

# UPSC एग्जाम के लिए पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन शुरू

**ठाणे.** यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (UPSC) के प्रीलिमिनरी एग्जाम के मौके पर, ठाणे मनपा कमिश्नर सौरभ राव के गाइडेंस में ठाणे, मुंबई और नवी मुंबई के अलग-अलग एग्जाम सेंटर्स पर एक खास "पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन" चलाया।

इस कैंपेन के ज़रिए, मनपा द्वारा चलाए जा रहे चिंतामनराव देशमुख एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट की UPSC एग्जाम गाइडेंस एक्टिविटीज़ के बारे में स्टूडेंट्स को जानकारी दी गई। इस खास कैंपेन के ज़रिए, सिर्फ़ एक दिन में 2406 UPSC स्टूडेंट्स और पेरेंट्स से सीधे कॉन्टैक्ट किया गया। ऑर्गनाइज़ेशन ने यह भी बताया कि इंस्टिट्यूट के 2026 एंट्रेंस एग्जाम के लिए 475 स्टूडेंट्स ने रजिस्टर किया है।

रविवार को यह कैंपेन इसलिए चलाया गया क्योंकि 24 मई 2026 को होने वाली UPSC की प्रीलिम्स परीक्षा में लगभग 300 से 600 स्टूडेंट अलग-अलग परीक्षा सेंटर पर मौजूद रहेंगे। इंस्टिट्यूट के एंट्रेंस एग्जाम 2026, स्टाइपेंड, स्टूडेंट हॉस्टल, मेन एग्जाम गाइडेंस क्लास, प्रैक्टिस एग्जाम और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट ट्रेनिंग (फाउंडेशन कोर्स) के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही ब्रोशर भी बांटे गए।स्टूडेंट्स को सही जानकारी देने के लिए ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के 35 अनुभवी ऑफिसर और एम्प्लॉई को अपॉइंट किया गया था। ठाणे, मुंबई और नवी मुंबई में कुल 26 परीक्षा सेंटर के बाहर इन्फॉर्मेशन बूथ लगाए गए थे।

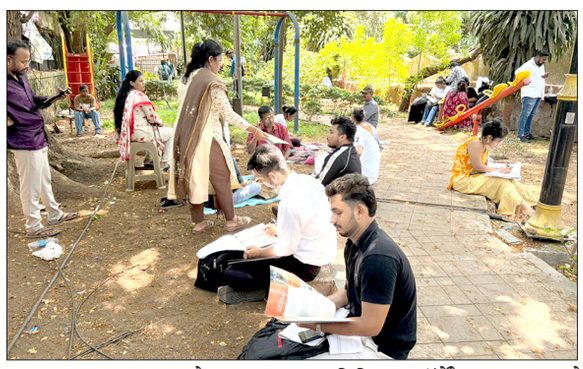

ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा चलाया जाने वाला चिंतामनराव देशमुख एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (UPSC) द्वारा आयोजित परीक्षाओं और दूसरी संबंधित परीक्षाओं में बैठने वाले स्टूडेंट को फ्री गाइडेंस देने वाला एक लीडिंग ऑर्गनाइजेशन है। साथ ही, ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन इस तरह से एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट चलाने वाला देश का इकलौता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन है। मनपा आयुक्त सौरभ राव, अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी, डिप्टी कमिश्नर जी. जी. गोदापुरे और संस्थान के निदेशक के मार्गदर्शन में, यह अभियान सफलतापूर्वक लागू किया गया।इस बीच, किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की किसी भी शाखा में स्नातक या अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए यूपीएससी प्री और मुख्य परीक्षा मार्गदर्शन वर्ग की प्रवेश परीक्षा 7 जून 2026 को संस्थान द्वारा आयोजित की गई है। इच्छुक विद्यार्थी 2 जून 2026 तक ऑनलाइन पंजीकरण करें और यूपीएससी परीक्षा में शामिल होने वाले अधिक से अधिक विद्यार्थी / प्रशिक्षु सी. डी. देशमुख संस्थान की प्रवेश परीक्षा के लिए इस लिंक https://cdinstitute.register.epravesh.com/ पर पंजीकरण करें। संस्था के निदेशक महादेव जगताप ने अधिक से अधिक विद्यार्थियों से 02/06/2026 तक लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण करने की अपील की है।

# शिवसेना (UBT) की ओर से 12वीं पास स्टूडेंट्स के लिए सम्मान समारोह

**भिवंडी.** हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी के अवसर पर शहर के सभी स्कूलों के 12वीं पास स्टूडेंट्स के लिए एक सम्मान समारोह शिवसेना शहर शाखा भिवंडी द्वारा रविवार को शिवसेना केंद्रीय कार्यालय, अजयनगर, भिवंडी में आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में शिवसेना उपनेता विश्वास ठाले, जिला प्रमुख कुंदन पाटिल, शहर प्रमुख गजेंद्र गुलवी (पूर्व), शहर प्रमुख प्रदीप बोडके (पश्चिम) और अप्पासाहेब पड्याल की पत्नी, पूर्व मेयर शकुंतला पड्याल मौजूद थे।

इस छात्र सम्मान समारोह में भिवंडी शहर के सभी स्कूलों के स्टूडेंट्स प्रिंसिपल के साथ शामिल हुए। कुछ प्रिंसिपल ने अपनी भावनाएं ज़ाहिर कीं, तो शिवसेना ने स्टूडेंट्स की पीठ थपथपाई और कहा कि स्टूडेंट्स को हिम्मत दी जाएगी और उनका भविष्य संवारा जाएगा। शहर प्रमुख प्रदीप बोडके ने सम्मान समारोह के आयोजन के पीछे के कॉन्सेप्ट के बारे में जानकारी दी. वहीं, ज़िला प्रमुख कुंदन पाटिल ने अपने गांव के स्कूलों की क्वालिटी का उदाहरण दिया और स्टूडेंट्स को मुश्किल हालात से कैसे निपटना चाहिए, इस पर अच्छी गाइडेंस दी। इसके बाद, स्टूडेंट्स को बालासाहेब की तस्वीर वाली पट्टिका और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

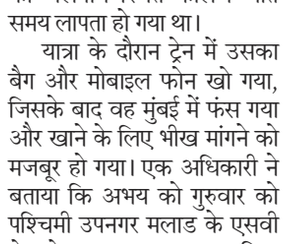

इस प्रोग्राम में जिला प्रमुख उमेश कोडलेकर, जिला संगठक महेंद्र कुंभारे, विधानसभा संगठक दिलीप कोंडलेकर, नगर संघटक स्वाति भावार्थे, तारे मैडम, सचिव राजा पुण्यार्थी, उप नगर प्रमुख भाई वनगे, शाखा प्रमुख भाऊ काठवाले, नितिन काठवाले, संतोष भावार्थे, प्रताप शिंदे, गिरीश तेजे आदि मौजूद थे। प्रोग्राम का आयोजन नगर प्रमुख प्रदीप बोडके ने किया और कार्यक्रम का संचालन नगर संयोजक नाना झलके ने बहुत अच्छे से किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

# आखिर क्यों है 'समुक' की इतनी चर्चा?

- बाकी एलियन फिल्मों से कैसे होगी अलग?

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म 'समुक' अनाउंसमेंट के साथ ही सुर्खियों में बनी हुई है। इसे भारत की पहली लार्ज स्केल साई-फाई एलियन सर्वाइवल थ्रिलर मूवी बताया जा रहा है। फिल्म का अनाउंसमेंट 24 मई को हुआ है और यह अक्षय कुमार के लिए एक बहुत बड़ा चेंज होगा। कनिष्क वर्मा ने निर्देशन की कमान संभाली है और प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह हैं। सवाल यह है कि आखिर यह फिल्म इतनी चर्चा में क्यों है? तो चलिए जानते हैं कि आखिर इस एलियन मूवी में पहले रिलीज हो चुकीं एलियन फिल्मों से क्या अलग होने वाला है?

- इस्तेमाल होगी अलग तकनीक

अक्षय कुमार की फिल्म 'समुक' में मेकर्स हॉलीवुड लेवल का प्रोडक्शन और प्रैक्टिकल इफैक्ट्स इस्तेमाल करने वाले हैं। इस फिल्म में CGI और AI मॉडल्स जैसी तकनीकों को छोड़कर रियल हैंडक्राफ्टेड मॉन्सटर तैयार किए जाएंगे, और ज्यादातर सीक्वेंस के लिए प्रैक्टिकल अप्रोच अपनाई जाएगी। जो इसे बहुत रियल और इम्फैक्टफुल फील देगा।

- सीरियस साइंस और फुल हॉरर

जो एलियन फिल्में भारत में अभी तक आई हैं, उनमें एलियन इंसान का दोस्त बन जाता है। कोई मिल गया, पीके और जोकर जैसी फिल्मों में हमने यही देखा है। अभी तक कोई भी फिल्म एलियन्स के पृथ्वी पर हमला करने और इंसान के साथ उसकी टक्कर के बारे में नहीं रही है। खगोल विज्ञान और तकनीक जैसे विषयों से जोड़ते हुए मेकर्स इस फिल्म को सीरियस एलियन थ्रिलर और हॉरर फील देना चाहते हैं। यानि इसमें रोमांच के साथ-साथ आपको डर भी पूरा महसूस होगा, जो अभी तक किसी भारतीय फिल्म ने नहीं दिया है।

- बुरी तरह मारपीट कर किया लहूलुहान बाजारपेठ पुलिस की जांच शुरू

# नशे के कारोबार की शिकायत करने पर परिवार पर जानलेवा हमला

**कल्याण.** कल्याण पश्चिम के मछली मार्केट परिसर में नशे के कारोबार का विरोध करने वाले एक परिवार पर जानलेवा हमला किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। हमले में परिवार के कई सदस्य घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद पुलिस की ओर से आरोपियों पर ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले इलाके की एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई थी। इस मामले में परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने कुछ कार्रवाई भी की थी। बताया जा रहा है कि इसी रंजिश के चलते इस परिवार को निशाना बनाया गया है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि इलाके में चल रहे नशे के अवैध कारोबार का लगातार विरोध करने और नशेड़ियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत करने से आरोपी उनसे खुन्नस रखते थे। आरोप है कि पहले एक महिला के साथ मारपीट की गई। महिला को बचाने पहुंचे मुजाहिद काजी और मुदस्सर काजी पर भी हमला कर दिया गया। इस दौरान धारदार हथियारों का इस्तेमाल कर गंभीर रूप से मारपीट की गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। वहीं, बाजारपेठ पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि पीड़ित परिवार का कहना है कि यदि पहले ही नशे के कारोबारियों और असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की गई होती, तो इस तरह की घटना नहीं होती।

परिवार ने आरोपियों के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस घटना के बाद एक बार फिर इलाके में कानून व्यवस्था और नशे के बढ़ते कारोबार को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। अब पुलिस की आगे की कार्रवाई पर स्थानीय नागरिकों की नजर टिकी हुई है।

# मुंबई की सड़कों पर भीख मांगता मिला मेडिकल छात्र

- पुलिस ने परिवार से मिलाया

**मुंबई.** मुंबई पुलिस के भिक्षावृत्ति विरोधी अभियान के दौरान 47 दिनों से लापता एक मेडिकल छात्र को बचाया गया है, जो मानसिक तनाव की स्थिति में सड़कों पर भीख मांगता मिला। पुलिस के अनुसार, नांदेड़ निवासी 25 वर्षीय अभय सुरेश बेलकोनी बीएचएमएस (बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी) तृतीय वर्ष का छात्र है। वह 4 अप्रैल को जलगांव स्थित कॉलेज जाते समय लापता हो गया था।

यात्रा के दौरान ट्रेन में उसका बैग और मोबाइल फोन खो गया, जिसके बाद वह मुंबई में फंस गया और खाने के लिए भीख मांगने को मजबूर हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि अभय को गुरुवार को पश्चिमी उपनगर मलाड के एसवी रोड से बचाया गया। मलाड पुलिस थाने के अधिकारी ने कहा, 'युवक शारीरिक रूप से बेहद कमजोर दिख रहा था और मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रहा था। हालांकि, उसने अपना नाम और गृह नगर बताया।'

पुलिस ने उसकी जानकारी की पुष्टि नांदेड़ के तमसा पुलिस थाने से की, जहां उसके लापता होने की शिकायत दर्ज थी। जांच में पता चला कि जलगांव जाते समय ट्रेन यात्रा के दौरान अभय का मोबाइल फोन और पहचान पत्र सहित सारा सामान खो गया था। मुंबई में बिना पैसे और संपर्क के साधनों के फंस जाने के बाद उसने भीख मांगना शुरू कर दिया। परिजनों के अनुसार, 6 अप्रैल को अभय ने रेलवे स्टेशन के एक विक्रेता के फोन से घर पर संक्षिप्त संपर्क किया था, लेकिन स्थिति बताने से पहले ही कॉल कट गई। पहचान की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने अभय के पिता से संपर्क किया और उसी दिन छात्र को सुरक्षित रूप से परिवार के हवाले कर दिया।

## आम सूचना

हम श्रीमती निशा साजिथ एज्हुथाचन व श्रीमती नीतू संदीप एज्हुथाचन सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. बी-2/46, तीसरा माला सचदेव नगर को-आप, हाउसिंग सोसायटी, उल्हासनगर- 3 (टैक्स नं. 10एआय007729200) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती शांताकुमारी नारायण एज्हुथाचन रिलीज एग्रीमेंट दि. 20.5.2026 द्वारा हमें दी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
**श्रीमती निशा साजिथ एज्हुथाचन व**
**श्रीमती नीतू संदीप एज्हुथाचन**

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099